

दलपत सागर रोड पर मलबा डालने वालों पर लगेगा 10 हजार जुर्माना

मलबा डालने वालों की सूचना देने वाले नागरिकों को नगर निगम करेगा पुरस्कृत, सड़क चौड़ीकरण सहित विकास कार्यों के प्रस्तावों पर भी हुई चर्चा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिका निगम जगदलपुर में गुरुवार को महापौर संजय पांडे एवं निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन को उपस्थिति में मेयर-इन-कार्जिसल (एमआईसी) की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास, स्वच्छता, सड़क चौड़ीकरण और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में दलपत सागर रोड पर मलबा डालकर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। ऐसे लोगों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, मलबा डालने वालों की सूचना नगर निगम को देने वाले नागरिकों को निगम द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य शहर की स्वच्छता बनाए रखना और सार्वजनिक स्थानों पर मलबा डालने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना है। सड़क चौड़ीकरण के प्रस्तावों पर विचार-बैठक में नगरोत्थान योजना के अंतर्गत शहर के विभिन्न



मार्गों के चौड़ीकरण के प्रस्तावों पर विचार किया गया। इनमें लाल चर्च से नगर निगम कार्यालय एवं बस स्टैंड रोड तक, नयामुंडा रोड से साकेत कॉलोनी तक, डीजे कोर्ट से चांदनी चौक होते हुए सिटी ग्राउंड तक तथा छत्रपति शिवाजी वार्ड में पुराने पंचायत कार्यालय से डॉक्टर पाढ़ी हाउस तक सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव

शामिल हैं। इसके अलावा माता गुड्डि से एमपीएम हॉस्पिटल तक सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। इन कार्यों के लिए शासन से स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिमा स्थापना और वाडों में विकास कार्यों को

लेकर चर्चा- बैठक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य के प्रस्ताव को शासन को भेजने के संबंध में विचार किया गया। इसके साथ ही शहर के समस्त वार्डों में नाली, सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित करने पर भी चर्चा एवं निर्णय लिया गया। पांच मिनी टिप्पर वाहनों की खरीदी पर विचार- नगर निगम की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत पांच मिनी टिप्पर वाहनों की खरीदी के प्रस्ताव पर विचार किया गया। बैठक में राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं मुख्यमंत्री पेंशन योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदन पत्रों की स्वीकृति से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। ये रहे उपस्थित- एमआईसी की बैठक में एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही, लक्ष्मण झा, सुरेश गुप्ता, राणा घोष, श्वेता बघेल,त्रिवेणी रंधारी, कलावती कसेर, योगेंद्र पांडे, संग्राम सिंह राणा एवं संजय विश्वकर्मा सहित निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा तथा नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक दयाशंकर तिवारी को कलेक्टर ने प्रदान किया पेंशन गणना पत्रक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- स्वास्थ्य विभाग में दीर्घकालीन सेवाएं देने वाले कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी भैयाशान में पदस्थ पर्यवेक्षक श्री दयाशंकर तिवारी को सेवानिवृत्ति के एक दिवस पूर्व कार्यालयीन दिवस पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील द्वारा पेंशन गणना पत्रक प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती जमील ने उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग में दी गई दीर्घकालीन सेवाओं एवं योगदान की सराहना की। उन्होंने श्री तिवारी को सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं देते हुए उनके आगामी जीवन के स्वस्थ, सुखद एवं खुशहाल होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री तिवारी 31 अक्टूबर 2026 को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होंगे इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, कोषालय अधिकारी श्री प्रेमशंकर तिवारी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह एवं जिला



कार्यक्रम प्रबंधक श्री संदीप नामदेव उपस्थित रहे।

पुलिस स्मृति दिवस पर प्रतियोगिताएं, छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

बैकुंठपुर। पुलिस स्मृति (इंडा) दिवस के अंतर्गत कोरिया जिले के बैकुंठपुर स्थित रक्षित केंद्र में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए पुलिस शौर्य पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही वाद-विवाद, निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका, शौर्य, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा से परिचित कराना था। 26 से 30 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा एवं विचारों को प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं में निबंध लेखन में सलोनी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में रिया श्रीवास्तव और सुनैना पैकरा विजेता रही, जबकि वाद-विवाद प्रतियोगिता में सलोनी पैकरा ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक श्यामलाल मधुकर, रक्षित निरीक्षक नितिश आर. नायर और सूबेदार सुनील खुटे उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में रक्षित केंद्र के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

राज्य स्थापना दिवस पर अग्रसेन स्टेडियम में सजेगा जिला स्तरीय राज्योत्सव का मंच

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े होंगी मुख्य अतिथि

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) राज्य के 26 वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड, सूरजपुर में किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस वर्ष राज्योत्सव का आयोजन सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को झलक देखने को मिलेगी। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के शासकीय

भवनों में आकर्षक रोशनी की जाएगी। राज्योत्सव को उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में मनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियों की जा रही हैं। स्टॉल के माध्यम से विकास प्रदर्शनी में दिखेगी जिले की प्रगति की झलक- राज्योत्सव के अवसर पर कार्यक्रम स्थल में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल के माध्यम से विकास प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी के माध्यम से जिले में संचालित शासन की महत्वपूर्ण नवकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, नवाचारों एवं सफल परियोजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा अर्जित उपलब्धियों और आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी भी दी जाएगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बिखरेंगे

छत्तीसगढ़ी संस्कृति के रंग- जिला स्तरीय राज्योत्सव में स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लोककला, लोकसंस्कृति और समृद्ध परंपराओं की मनमोहक झलक प्रस्तुत करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम राज्योत्सव के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होंगे। हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी होंगे सम्मानित- समारोह के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने तथा अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) - कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप सघन वाहन जांच की जा रही है। इसी कड़ी में हाईटेक बस स्टैंड, सूरजपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एवं विश्रामपुर क्षेत्र के आसपास वाहन चेकिंग किया गया। जिला परिवहन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार विगत दिवस 13 बसों का चेकिंग किया गया। जिसमें से 01 यात्री वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र वैध नहीं होने के कारण मोटरयान अधिनियम के

नियमानुसार कार्यवाही करते हुए 800 रुपये शमन शुल्क वसूल किया गया। 01 यात्री वाहन द्वारा भूसा परिवहन करते पाये जाने पर नियमानुसार 2000 रू. शमन शुल्क वसूल किया गया। 02 जीप/कमाण्डर वाहन जो कि निजी वाहन श्रेणी में पंजीकृत होने के उपरांत यात्री परिवहन करते पाये जाने पर वाहन जब्ती की कार्यवाही की गई तथा वाहन के सुरक्षा हेतु थाना विश्रामपुर को सुपुर्द किया गया। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने हेतु समझाइश दी गई।

नगर पंचायत शिवनंदनपुर परिषद की बैठक विकास कार्यों को लेकर संपन्न हुई

शुद्ध पेयजल बिजली व्यवस्था सड़क में गुणवत्ता नाली निर्माण पर आम सहमति बनी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-नगर पंचायत शिवनंदनपुर में परिषद समान्य सभा की बैठक आहूत हुई। उक्त बैठक में नगर पंचायत शिवनंदनपुर अध्यक्ष रितेश जायसवाल , नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल सीएमओ सुनील कुमार सिन्हा सहित सभी पार्षदों की उपस्थित रहे। बैठक में नगर के विभिन्न विकास कार्य जैसे बिटी रोड, सीसी रोड ,आर सी सी नाली को समम पर पूर्ण तथा गुणवत्ता युक्त कार्य करने का निर्णय लिया गया। सिटी डेवलपमेंट के अनुसार शेष विकास कार्यों का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु शासन को प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए गए एवं



स्वच्छता, पानी, आपूर्ति बिजली जैसी मूलभूत सेवा को बाधा रहित व्यवस्थित से करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में पूर्व अध्यक्ष एवं

वर्तमान महिला पार्षद विमल सिंह सहित चंदन सिंह, मनी बग्गा, वाहिद अहमद आदि पार्षद उपस्थित थे।

Samsung की ब्रांड वैल्यू 105.2 अरब डॉलर पर पहुंची, लगातार सातवें साल दुनिया में 5वें स्थान पर

Samsung Electronics को Interbrand ने Best Global Brands 2026 रैंकिंग में दुनिया में पांचवां स्थान मिला है। कंपनी की ब्रांड वैल्यू 105.2 अरब डॉलर आंकी गई है। इसके साथ ही Samsung लगातार सातवें साल दुनिया के पांच सबसे मूल्यवान ब्रांड्स में शामिल रही है। Samsung एशिया की एकमात्र ऐसी कंपनी है, जिसने 2020 से हर साल यह स्थान बनाए रखा है। यह रैंकिंग तकनीकी नवाचार, AI के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बेहतर अनुभव देने पर Samsung के लगातार ध्यान को दर्शाती है। दुनिया के शीर्ष पांच ब्रांड्स में कंपनी की जगह मजबूत कमाई , AI सेमीकंडक्टर में रणनीतिक निवेश और अपने अलग-अलग उत्पादों में आपस में जुड़े AI अनुभवों के विस्तार से मजबूत हुई है। Interbrand के अनुसार, Samsung की ब्रांड प्रतिस्पर्धा को मजबूत बनाने में तीन प्रमुख बातों का योगदान रहा है: *AI सेमीकंडक्टर में सोच-समझकर किए गए निवेश से रिकॉर्ड कमाई। * Device eXperience (DX) Division में AI के क्षेत्र में मजबूत होती क्षमताएं। * 'One Samsung' रणनीति के तहत ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाली एकसमान ब्रांड रणनीति। Samsung का Device Solutions (DS) Division AI तकनीकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अधिक मात्रा में हाई-वैल्यू मेमोरी उत्पादों की आपूर्ति कर रहा है। कंपनी ने HBM4 का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करके और इसकी व्यावसायिक आपूर्ति करके सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति को और आगे बढ़ाया है।

संक्षिप्त समाचार

युवा रत्न सम्मान योजना 2026 : पात्र युवा एवं संस्था 31 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-राज्य शासन द्वारा युवाओं एवं स्वैच्छक संगठनों द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना 2026 प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को सम्मानित किया जाना है। योजना का लाभ लेने के इच्छुक पात्र युवा एवं संस्था 31 अक्टूबर तक खेल एवं युवा कल्याण, विभाग में कार्यालयीन समय में ऑफलाइन माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक युवा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सूरजपुर श्री बालवीर (मो.नं. 9183193304) पर संपर्क कर सकते हैं।

एसईसीएल दीपका प्रबंधन और भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित, मांगों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन

कोरबा। एसईसीएल दीपका क्षेत्र के सभागार में प्रबंधन और ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के पदाधिकारियों तथा प्रभावित ग्रामों के प्रतिनिधियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप के नेतृत्व में हुई इस बैठक में भूविस्थापितों के लंबित मुआवजा, पुनर्वास, रोजगार, स्वरोजगार और प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रबंधन ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। बैठक में एसईसीएल दीपका के महाप्रबंधक शरद तिवारी, खनन परियोजना अधिकारी नागेंद्र साहू, भू-राजस्व अधिकारी सुशील साहू तथा लैंड एंड रिहैबिलिटेशन (एलएंडआर) विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सुवाभोड़ी के 64 स्वीकृत परिवारों के मकान एवं परिसंपत्तियों के मुआवजा भुगतान में जीपीएस की बाध्याता के कारण हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। समिति ने इस बाध्याता को समाप्त कर पात्र परिवारों को जल्द भुगतान करने की मांग की। इसके अलावा निर्धारित 10 लाख की बसाहट राशि के अतिरिक्त देय 5 लाख की प्रोत्साहन राशि का शीघ्र भुगतान करने, मकान ध्वस्तीकरण के समय बालिग हो चुके युवक-युवतियों को नियमानुसार पृथक बसाहट का लाभ देने तथा पेड़-पौधे, शौचालय, बाउंड्रीवाल और पटाव जैसी छूटी हुई परिसंपत्तियों का मुआवजा देने की मांग रखी गई। मृत व्यक्तियों के नाम स्वीकृत राशि उनके वैध वारिसों को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराने की बात भी कही गई। समिति ने वर्ष 1986 में अर्जित भूमि के बदले रोजगार से वंचित रह गए परिवारों का मुद्दा भी उठाया। समिति के अनुसार, अलग-अलग खातों को जोड़ने के कारण कई परिवार रोजगार के लाभ से वंचित रह गए हैं। ऐसे मामलों का तत्कालीन नियमों और प्रावधानों के आधार पर पुनर्मूल्यांकन कर पात्र भूविस्थापितों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की गई। भूविस्थापित परिवारों को स्वरोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिए समिति ने निविदाओं की वर्तमान 5 लाख की सीमा बढ़ाकर 20 लाख करने की मांग की। साथ ही स्थानीय ठेकेदारों के साथ कथित भेदभाव समाप्त कर उन्हें समान अवसर देने पर जोर दिया गया, ताकि प्रभावित परिवार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। समिति ने पुनर्वास ग्रामों में पक्की सड़क, स्वच्छ पेयजल, बेहतर नाली व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही खनन गतिविधियों से होने वाले पर्यावरणीय दुष्प्रभावों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता भी बताई गई। बैठक में सुवाभोड़ी, मलगाव, झावर, सिरकी खुर्द, बेलटिकरी और चैनपुर सहित अन्य अर्जित ग्रामों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं रखीं। समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी बसंत कुमार कंवर, विजय पाल सिंह तंवर, अनुसुईया राठौर, रविंद्र जगत, दीपक कुमार यादव, ललित महिलांगे, ईश्वर आमरेक्सन, चैनपुर सरपंच विनोद टेकाम, राजेश जगत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। एसईसीएल दीपका के महाप्रबंधक शरद तिवारी ने समिति की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भूविस्थापित परिवारों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन का इंतजार नहीं करना चाहिए। वे सीधे उनसे मिलकर अपनी समस्याएं रख सकते हैं। प्रबंधन पुनर्वास ग्रामों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लेगा और निर्धारित समय-सीमा में समस्याओं के निराकरण का प्रयास करेगा। समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने कहा कि संगठन अकारण विरोध या आंदोलन के पक्ष में नहीं है। समिति निरंतर संवाद और समस्याओं के समयबद्ध समाधान में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतों और औद्योगिक प्रगति के लिए भूविस्थापितों ने अपनी जमीन, घर और आजीविका का त्याग किया है।

विश्व परिवार



संपादकीय पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी

ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया

लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन' लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हथपै में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था। ब्राजील में तमाम चुनाव पथ्य अनुगमनों को घात बनाते हुए लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्त्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर-दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज़ हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर-दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासियों, और प्रगतिशील तबकों की अभूतपूर्व गोलबंदी की। उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पुरे लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन' लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी 'सुखा नीति' में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी चर्चस्व को चुनौती-विहीन बनाएँ को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफ़ी सफलता मिली है। वह एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर-दक्षिणपंथी सरकारों हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको हैं। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजरे हफ्तों में ऐसी खबरें आई कि पूर्व राष्ट्रपति जायरे बोल्सोनारो के बेटे प्रेतवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है। खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आसार लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लाभबंद था। चुनाव के दिन इलज़ाम लगे कि कई राज्यों के दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिहटल सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐन वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना की जीत हुई है। इससे ब्रिक्स+ राष्ट्र की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह असाहिल होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर-दक्षिणपंथ के आक्रामक तैवर के निशाने पर हैं।

आलेख

ईएसटीआईसी 2026: विज्ञान को विकसित भारत की आकांक्षाओं से जोड़ना

डॉ. जितेंद्र सिंह

समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा। 28 फरवरी 2006 को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने संविधान में जो शब्द कहे थे। लगभग दो दशक बाद डॉ. कलाम के ये शब्द पूरी तरह सही साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीकी आधारित विकास को गति देते हुए 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है और उसने इसे स्वीकार भी किया है। विज्ञान का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि हम क्या खोजते हैं, बल्कि इस बात में भी है कि हमारी खोजें देश के लोगों के लिए क्या-क्या संभव बनाती हैं। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना, स्वास्थ्ययोजनाओं का समाधान करने और अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएँ केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढाँचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं। इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करते, वह सार्वजनिक बद्दलाव लाने का माध्यम बने। यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। अपने दूसरे संस्करण में ईएसटीआईसी वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। यह समलेखन वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, स्टार्टअप से जुड़े उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझा दिशास्थिर लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है। हमारे सामने कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल ऐसे हैं, जिनका समाधान तत्काल आवश्यक है। वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? भारतीय उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकीय कैसे विकसित कर सकते हैं, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे कर सकते हैं और महत्वपूर्ण वस्तुओं के अयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं? इन सवालों का जवाब देने के लिए एक संस्थान या विषय अपने दम पर नहीं दे सकता। इसके लिए वैज्ञानिकों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना होगा। शोधकर्ताओं को व्यावहारिक जरूरतों को समझना होगा और नीति निर्माताओं को ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें संभावनाओं से प्रभेद विचारों को परखा और विकसित किया जा सके। ईएसटीआईसी 2026 इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 12 विषयगत क्षेत्रों पर केंद्रित है। इनमें उन्नत निर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासमुद्र विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, कंट्रोल संचार, सेमीकंडक्टर, कृषि प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रॉबोटिक्स, उन्नत स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं। इन सभी से प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी संभावनाएँ हैं, जिनका दायरा प्रयोगशालाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रगति भारत की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत कर सकती है। जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान स्वास्थ्य सेवाओं और निर्माण के क्षेत्र में नए रास्ते खोल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रॉबोटिक्स में होने वाले विकास औद्योगिक प्रक्रियाओं को बदल सकते हैं, जबकि कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक कार्य अधिक कुशल एवं टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा दे सकते हैं। सबसे बड़ी चुनौती इन संभावनाओं को व्यावहारिक उपयोग में बदलने की है। किसी जैविक खोज में वर्षों का अनुसंधान लग सकता है, लेकिन उसे रोमांचक उपयोग में लाने के लिए अक्सर अनेक के परीक्षण, निवेश, इंजीनियरिंग और आपसी सहयोग की जरूरत होती है।

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

ललित गर्ग

पंजाब में नरेशों का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नरेशों की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित बना जाता था, लेकिन आज सिथेटिक ट्रस सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट की और व्यापक बना दिया है। पंजाब की भरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवतता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नरेशों के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ट्रस माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिग्गा शोभा देते थे, वहां आज नरेशों ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बहूहावस कर दिया है। विद्रोहना देखिए कि नरेशों के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कार्टेल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह ट्रसना मजबूत आभासपूर्ण प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाढ़ ही खेत को खाने लगे', तो मसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निपटण जांच, दौषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए। पंजाब में नरेशों का



कारोबार अब लालियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समीपता को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्तार कर कर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिवारों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी। नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारों, आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफैम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई हुई है। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे

१२ इन्ती गिरफ्तारियाँ और जल्दी के बाबजूद यदि सरो की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लगा रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ गहरी है। 'मजबूत बढाव, गवा, ज्यों-ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर सरो की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण को पड़ताल करना होगा। पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। झोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आपाकालीन समाधान प्रबंधन की सीमा जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सांख्यिकी से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना कठिन आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आँखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ो गिरफ्तारी के साथ-साथ भीतर की कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बताने वाली है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन परके के पीछे बैठ स्रृष्टार। आम अदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशापूज और तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला

हैं, जिसको अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी ? सप्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने के बड़े कारनामे आसान हैं, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुँचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करों के नेटवर्क बना-बुरा सफ़िक हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छाँभारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं में नशामुक्त पंजाब का सपना नहीं होगा। सरकार को भी की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनसे संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई। नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आर्थिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशासूचि केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकारों को केवल उपचार ही मानकर खरिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों का ग्राहकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इसमें अभिमान को जगाते। नशे की निषेध जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालने के लिए सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही सदेह के घेर में आने लगे और करोड़ों की हेरोइन की बरामदों की व्यवस्था की विश्वसनियता पर प्रश्न खड़े करें, तब आमत्यमंत्र टालना आत्मघाती होगा। 'लकीर पीटने' के बजाय अब निर्णायक परिणाम देना समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्श्वी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफ़िया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुँचाना होगा। अन्धता नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुँचाना रहेगा।

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान

गांव की पगड़ीयों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एका, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बलवाक को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। समय की बचत हो रही है और किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भरता भी कम हुई है। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बाविका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना

छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है। शासकीय हाई स्कूल सेरम की छात्राएं बताती हैं कि साइकिल मिलने से पहले उन्हें स्कूल आने-जाने के लिए पैदल चलना पड़ता था। इससे काफी समय लगता था और थकान भी होती थी। गर्मी, बारिश और ठंड के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। अब साइकिल से वे कम समय में विद्यालय पहुंच रही हैं। समय पर स्कूल पहुंचने के साथ घर लौटने में भी कम समय लग रहा है। छात्राओं का कहना है कि आने-जाने में बचने वाला समय अब पढ़ाई और घर के अन्य जरूरी कार्यों में उपयोग हो रहा है। रजनी अण्णा, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव का अनुभव बताता है कि आवामगम की एक सुविधा छात्राओं की रोजमर्रा की पढ़ाई को कितना आसान बना सकती है। अब उन्हें स्कूल पहुंचने के लिए किसी पर निर्भर रहने की जरूरत भी कम हुई है। छात्राओं ने बताया कि साइकिल मिलने के बाद विद्यालय तक आने-जाने में काफी सुविधा हुई है। पहले पैदल चलने में अधिक समय और श्रम लगता था। अब कम समय में स्कूल पहुंचने से नियमित पढ़ाई में मदद मिल रही है। उनका कहना है कि साइकिल से आने-जाने में समय की बचत होने के कारण पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय बचेगा है। घर के जरूरी काम और पढ़ाई के बीच बेहतर तालमेल बनाने में भी आसानी हुई है। इस सुविधा से विद्यालय

जाने का उत्साह भी बढ़ा है और वे आगे मन लगाकर पढ़ाई करते हुए उच्च शिक्षा हासिल करना चाहती हैं। सरस्वती साइकिल योजना का प्रभाव केवल स्कूल तक की दूरी कम करने तक सीमित नहीं है। स्वयं साइकिल चलाकर विद्यालय जाना छात्राओं को अपने दैनिक पहचान में अधिक आत्मनिर्भर भी बना रहा है। अलावे जहां कई छात्राओं को पैदल चलना पड़ता था या किसी परिवार पर निर्भर रहना पड़ता था, वही अब वे स्वयं स्कूल पहुंच रही हैं। छात्राओं के लिए यह अनुभव आत्मविश्वास बढ़ाने वाला भी है। अपनी राह स्वयं तय कर स्कूल तक पहुंचना उन्हें राहें बनाने का प्रेरणा देता है। किसी भी समाज की प्रगति में बालिका शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय तक पहुंच जतनी आसान होगी, छात्राओं के लिए नियमित रूप से शिक्षा से जुड़े रहना उतना ही व्यवस्थित आवगमन सुविधा इसी आवश्यकता को पूरा करने में मदद करती है। स्कूल की दूरी और परिवहन की परेशानी कम होने से छात्राओं को अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिलता है। माध्यमिक शिक्षा से लगातार जुड़ी रहने वाली छात्राएं आगे उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों की ओर कदम बढ़ा सकती हैं। एक बेटी की शिक्षा का प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत भविष्य तक सीमित नहीं रहता। शिक्षित बालिका आगे चलकर परिवार में बच्चों की शिक्षा,

साधन, पोषण, स्वच्छता और आर्थिक निर्णयों के प्रति अधिक जागरूक भूमिका निभा सकती है। इस तरह बेटियों को शिक्षा में किया गया सहयोग अपने-व्यक्ति के बेहतर भविष्य को तैयार करने के लिए है। शिक्षा बालिकाओं को अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पढ़ाई से लगातार जुड़ाव उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देता है। बालिकाओं का लगातार विशालय और शिक्षा से जुड़े रहना उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा उन्हें अपने अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और जीवन में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देती है। इससे कम उम्र में विवाह जैसी सामाजिक कुदृष्टियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। जब बेटियाँ अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं और उच्च शिक्षा तथा भविष्य के लक्ष्य तय करती हैं, तब शिक्षा उनके जीवन में प्राथमिकता के रूप में मजबूत होती है। इसलिए विशालय तक उनकी सुगम पहुँच केवल आवागमन का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भर भविष्य से भी जुड़ी है। शासकीय हाई स्कूल सेडम की छात्राओं के लिए सरस्वती साईकिल योजना से मिली साईकिल स्कूल आने-जाने का साधन होने के साथ समय की बचत, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की आकांक्षा से भी जुड़ गई है।

आखिर हुतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब

कमलेश पांडे

सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूँकि अमेरिका ब इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुका है, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणागत हो जाएगा। साथ ही सामग अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। नौबत ईरान ने अपनी सत्ती हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामी नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उत्पन्न लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं। जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर

हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक मीडिया की 12डू13 अक्नूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियाँ और ह्तियाँ की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्त्वपूर्ण हैं:- एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति ह्तियों को किणायन रूप से नितायित ह्तियों पर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेसुर है। दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, वह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनावया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा ठकारने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिछों को पल भर में दबाकर इरानिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में, बलवा जाले, साधा जाले, शिया सऊदी सऊदी अमेरिकी अलावा अलावा साथ छोड़ जाएँ। साधा जाले, शिया सऊदी अमेरिकी अलावा अलावा साथ छोड़ जाएँ। साधा जाले, शिया सऊदी अमेरिकी अलावा अलावा साथ छोड़ जाएँ।



भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोलें जाते, बल्कि एक एक दूरुलभ प्रसंग में सफलता हासिल की जाये।

साथ साथ ही ईरान और उसके प्रायद्वीप शिया समूहों की रणनीति यही है। तीनों सऊदी अरब के पास सैन्य कारवाइ के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणगत हो जाएँ। साथ ही तमाम अमेरिकी सैन्य अड्डों को खाली करवा लें। इससे ईरानी खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह सुन्नी मुस्लिमों पाकिस्तान व तुर्कियों के भ्रमजाल में पड़ेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगी। अब अइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समझदारी के समाधान को

दूधन की कोशिश करते हैं, जहाँ पर हर पक्ष के संतुलन को दशाने की कोशिश की गई है। पहला सवाल यह है कि हतियारों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के अंतर-आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों को मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अवकल दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोने जैसे क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हतियारों

युनानीत के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद इसे कारगर हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा। दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमलों और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हुती क्यों भारी पड़ रहा है। शायद इसलिए कि हुती सऊदी का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक हैं। इंडन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लागतों हमलों को आशंका के कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रविष्टियों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सही प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मॉडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारियों रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमलों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों को जाँच कर रहे हैं।

जीवन के नियमों को समझें, भेदविज्ञान अपनाकर आत्मकल्याण के मार्ग पर बढ़ें : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में विराजमान निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने प्रातःकालीन स्वाध्याय प्रवचन में जीव और शरीर के संबंध, आहार एवं त्याग की प्रक्रिया, पुद्गल के निरंतर परिवर्तन तथा जीवन के आध्यात्मिक नियमों पर गहन प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन दर्शन की सूक्ष्मता को समझने के लिए भेदविज्ञान आवश्यक है। जीव के अंदर ग्रहण और त्याग के भाव उत्पन्न होते हैं, जबकि उनकी प्रक्रिया शरीर के माध्यम से संपन्न होती है। इच्छा, संज्ञा, आहार और संयम के परिणाम जीव में होते हैं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति शरीर के माध्यम से दिखाई देती है। परिणाम जीव का होता है और उसकी प्रक्रिया शरीर में घटित होती है। इस भेद को समझना ही वास्तविक ज्ञान है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ‘विद्यावाणी’ एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री जय



कुमार जैन ‘जलज’ ने बताया कि मुनि श्री ने कहा कि जैन दर्शन का यह सिद्धांत अत्यंत सूक्ष्म है। इसे समझने के लिए भेदविज्ञान की दृष्टि विकसित करनी होगी। जीव जब ग्रहण का भाव करता है तो त्याग और संयम का भाव भी उसी के भीतर उत्पन्न होता है। शरीर केवल उसकी प्रक्रिया का माध्यम बनता है। इस सिद्धांत को जिसने गहराई से समझ

लिया, वह आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्राप्त कर लेता है। मुनि श्री ने पुद्गल के निरंतर परिवर्तन की चर्चा करते हुए कहा कि संसार में प्रत्येक वस्तु प्रतिक्षण परिवर्तित हो रही है। पेड़ में नई पत्तियां आना, फूल खिलना और फिर मुरझाकर गिर जाना, बालक का युवा और फिर वृद्ध होना परिवर्तन के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। लेकिन अनेक परिवर्तन ऐसे भी हैं जो हमारी आंखों से दिखाई नहीं देते। नया वस्त्र कुछ वर्षों तक बिना उपयोग के सुरक्षित रखने पर भी अपनी मूल गुणवत्ता खो देता है। इसका कारण काल के प्रभाव से पदार्थों का निरंतर परिवर्तन है। जीवन भी इसी परिवर्तनशील व्यवस्था का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रत्येक खेल के अपने नियम हैं। कबड्डी, क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेलों के नियमों की जानकारी हमें रहती है। सड़क पर चलते समय और वाहन चलाते समय भी नियमों का पालन करना आवश्यक होता है, लेकिन आश्चर्य है कि

मनुष्य जिस जीवन को जन्म से मृत्यु तक जी रहा है, उसके नियमों के प्रति ही गंभीर नहीं है। युवा, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य को विचार करना चाहिए कि मानव जीवन का उद्देश्य क्या है और उसे किन नियमों के अनुरूप जीना चाहिए। बड़ी-बड़ी डिग्रियां और लौकिक ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक ज्ञान भी आवश्यक है। मुनि श्री ने आचार्य भगवन्त के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का संपूर्ण जीवन प्रेरणाओं का अक्षय भंडार है। उनके जन्मस्थान सदलगा की भौगोलिक, सामाजिक और धार्मिक परिस्थितियों से लेकर उनके बाल्यकाल, वैराग्य के बीजारोपण, साधु-संतों के सान्निध्य, माता-पिता के साथ तीर्थवंदना और संतम मार्ग की ओर बढ़ने की यात्रा में अनेक प्रेरक प्रसंग जुड़े हैं।

नशा मुक्ति अभियान के तहत लोहारा कॉलेज में जागरूकता रैली निकाली गई

सहसपुर लोहारा (विश्व परिवार)। शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा में माय भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री पर्यटन वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती के. एस. परिहार के द्वारा नशा मुक्ति के लिए शपथ करवाया गया.. रैली में महाविद्यालय के छात्र-



छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति से संबंधित संदेशों एवं नारों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नशे को सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन के लिए हानिकारक बताते हुए युवाओं से नशामुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने

की अपील की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी, प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना।

एम्स रायपुर ने प्रसवपूर्व आनुवंशिक जांच के क्षेत्र में हासिल की बड़ी उपलब्धि

- देश के नए एम्स संस्थानों में बना पहला केंद्र

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर ने प्रसवपूर्व आनुवंशिक निदान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रो. डॉ. जेस्सी अब्राहम के नेतृत्व वाली यह प्रयोगशाला देश के नवस्थापित एम्स संस्थानों में इस प्रकार का पंजीकरण प्राप्त करने वाली पहली तथा छत्तीसगढ़ की एकमात्र शासकीय प्रयोगशाला बन गई है।

इस सुविधा के अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस तथा अन्य प्रकार के जेनेटिक और विशिष्ट प्रकारों की डीएनए आधारित जांच की जाएगी। ऐसे आनुवंशिक बीमारियों से प्रभावित बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के साथ नियमित रक्त आधान और लंबे समय



तक उपचार की आवश्यकता हो सकती है। डीएनए जांच से बीमारी के लिए जिम्मेदार आनुवंशिक बदलावों की पहचान कर समय पर निदान एवं उचित चिकित्सकीय परामर्श में मदद मिलेगी। डीएनए आधारित जांच की विशेषता यह है कि इसके माध्यम से सिकल सेल रोग के लिए जिम्मेदार आनुवंशिक बदलावों की सीधे पहचान की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, गर्भावस्था के दौरान एम्नियोटिक द्रव (गर्भजल) के नमूने से भी जांच की जा सकती है, जिससे गर्भस्थ शिशु में विशिष्ट आनुवंशिक रोगों की पहचान संभव हो सकेगी।

लोहंडीगुड़ा में माहवारी स्वच्छता व स्वारस्थ पर जागरूकता सत्र आयोजित

- 90 छात्राओं ने सीखी स्वच्छता की जरूरी बातें

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कस्तूरबा गांधी बालिका आश्रम और हाईस्कूल में पीडीआईए फेलो द्वारा माहवारी स्वच्छता और स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की लगभग 90 छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्र के दौरान छात्राओं को मासिक धर्म चक्र, व्यक्तिगत स्वच्छता, सेप्टरी पैड के सही इस्तेमाल और उपयोग के बाद उनके सुरक्षित निपटान (डिस्पोजल) के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही दैनिक जीवन में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। विषय को रुचिकर और सहज बनाने के लिए फेलो द्वारा एक रोचक कार्ड गेम का आयोजन किया गया, जिसने



छात्राओं की झिझक दूर करने में अहम भूमिका निभाई। माहौल को खुला और सहज बनाने के लिए शिक्षिकाओं को अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिक्षिकाओं की पहल के बाद छात्राओं में आत्म विश्वास जगा और उन्होंने भी खुलकर अपनी बातें सामने रखीं तथा माहवारी से जुड़े अपने संशय और सवाल पूछे।

कार्यक्रम के दौरान देखा गया कि कक्षा 6 वीं और 7 वीं की छात्राएं कक्षा 9 वीं और 10 वीं की छात्राओं की तुलना में अधिक मुखर रहीं और उन्होंने बड़-चढ़कर प्रश्न पूछे। इस सत्र के माध्यम से छात्राओं को न केवल बुनियादी स्वास्थ्य जानकारी मिली, बल्कि सामाजिक झिझक को तोड़ते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा भी मिली।

राज्यपाल के ओएसडी झुनझुनवाला ने गौसेवा व जैविक खेती के कार्यों को जाना

- मनोहर गौशाला के रायपुर कार्यालय पहुंचे अशोक झुनझुनवाला, गौ-संवर्धन और प्राकृतिक खेती के प्रयासों की ती जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल रमन डेका के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) अशोक झुनझुनवाला शुक्रवार को मनोहर गौशाला के रायपुर स्थित मुख्य कार्यालय पहुंचे। उन्होंने ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन से गौशाला की ओर से संचालित गौसेवा, जीवदया, गौ-संवर्धन और जैविक कृषि प्रोत्साहन से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्हें गौवंश के संरक्षण और किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में किए जा रहे



प्रयासों से अवगत कराया गया। गौशाला के प्रतिनिधियों ने उन्हें गौसेवा और अनुसंधान से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। अखिल जैन ने झुनझुनवाला को गौसेवा और

अनुसंधान के अनुभवों पर आधारित पुस्तक ‘गाय एक अनुसंधान’ भेंट की गई। मनोहर गौशाला परिवार ने उनके आगमन पर आभार जताया। संस्था ने बताया कि गौसेवा, जीवदया, किसान कल्याण और प्रकृति संरक्षण के माध्यम से समाज की सेवा करना उसका प्रमुख उद्देश्य है।

माय भारत, रायपुर द्वारा दिशा कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

- 250 से अधिक युवाओं ने लिया लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। मेरा युवा भारत रायपुर द्वारा दिशा कॉलेज, रायपुर में ‘विकसित भारत युवा संवाद – Know Your Vote’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 250 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने, लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यूथ आइकन श्री सुयश पांडे तथा स्पोर्ट्स आइकन श्री लकी पटेल भी शामिल हुए।



सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं से किया संवाद

कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं को लोकतंत्र के महत्व से अवगत कराया तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से संवाद स्थापित कर उनके विचारों, सुझावों और जिज्ञासाओं को सुना। इस दौरान युवाओं ने लोकतंत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए और अनेक प्रश्न पूछे।

विवेकानंद नगर में मनाया गया संभवनाथ भगवान का कैवल्यज्ञान कल्याणक

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में धर्म, ज्ञान और भक्ति की अवरिल धारा प्रवाहित हो रही है। परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागरजी म.सा. के मुखारविंद से प्रवचनों का लाभ लेकर श्रावक धर्म आराधना के साथ आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को धर्मसभा में मुनिश्री ने श्रीपाल महाराज और मैना सुंदरी के प्रसंग के माध्यम से आत्मकल्याण के लिए धर्म और सदकर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जसराज लुनिया एवं महासचिव सुरेश बरडिशा ने बताया कि 30 अक्टूबर को भगवान संभवनाथ का कैवल्यज्ञान कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया



गया। मुनिश्री संवेगरत्न सागरजी म.सा. आदि ठाणा की निश्रा में भगवान की स्तुति एवं आराधना की गई। मंदिर में पूजन श्रावकों ने धर्मलाभ लिया। धर्मसभा में

मुनिश्री ने श्रावकों को ‘ ? हैं श्री संभवनाथ सर्वज्ञाय नमः’ मंत्र की पांच माला फेरने का नियम दिया। इस पर श्रावकों ने शुक्रवार को नियम से 5 माला फेरि। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर स्वामी की अंतिम 16 प्रहर की देशना पर विशेष व्याख्यानमाला 1 से 10 नवंबर तक होगी। मुनिश्री के मुखारविंद से श्रावकों को भगवान महावीर की देशना का श्रवण करने का लाभ मिलेगा। वर्षावास के तहत तप क्रम भी निरंतर जारी है। प्रतिदिन की प्रवचनमाला के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन जारी हैं।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में क्षत्रिय महासभा के युवाओं ने किया रक्तदान

- रेडक्रॉस सोसाइटी ने प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी जिला बस्तर जगदलपुर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में क्षत्रिय महासभा समाजसेवी संस्था के युवाओं द्वारा महारानी अस्पताल जगदलपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। रक्तदान के इस पुनीत कार्य में युवाओं की सहभागिता को सराहना करते हुए क्षत्रिय महासभा के सचिव



श्री कैलाश सिंह चैहान एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री अलेक्जेंडर चेरियन द्वारा रक्तदानवीरों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्षत्रिय समाज के सचिव श्री कैलाश चैहान ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। रक्त की

आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। ऐसे में युवाओं को आगे आकर नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए, ताकि समय पर रक्त उपलब्ध

होने से जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सके। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, ब्लड बैंक उपसमिति के अध्यक्ष श्री अविनाश सिंह गौतम ने क्षत्रिय महासभा के युवाओं को इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसाइटी मानव सेवा, जनजागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में महारानी अस्पताल, ब्लड बैंक प्रभारी वीरेंद्र ठाकुर सहित क्षत्रिय समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य संतोष भदौरिया, लोकेश ठाकुर, प्रभात सिंह चैहान, अमित सेंगर, निहासु सिंह, राजपाल सिंह,मयंक सिंह बैस, भवानी सिंह चैहान, रम्रभ ठाकुर, आर्युप सिंह, शुभम सिंह राठौड़ इत्यादि उपस्थित थे।

औरंगाबाद जैन समाज के प्रतिनिधियों ने पुष्पगिरी तीर्थ पहुंचकर किए संतों के दर्शन

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। पुष्पगिरी तीर्थ सोनकच्छ में परम पूज्य तीर्थ प्रणेता गणान्वार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज के पावन सान्निध्य में व्रत चक्रवर्ती पट्टविभूषण अर्तमना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री 108 पीयूष सागरजी महाराज संसंध वर्षायोग हेतु विराजमान हैं। उनके पावन सान्निध्य में तीर्थ परिसर में प्रतिदिन विविध धार्मिक, आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इन पदाधिकारी एवं सदस्य संतोष भदौरिया, लोकेश ठाकुर, प्रभात सिंह चैहान, अमित सेंगर, निहासु सिंह, राजपाल सिंह,मयंक सिंह बैस, भवानी सिंह चैहान, रम्रभ ठाकुर, आर्युप सिंह, शुभम सिंह राठौड़ इत्यादि उपस्थित थे।



किए तथा उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष ललित पाटणी एवं मनीषा पाटणी, पूर्व उपाध्यक्ष विनोद लोहाड़े एवं सुनीता लोहाड़े, विश्वस्त महेंद्र ठोले एवं राणी ठोले, उमेश चुडिवाल एवं आशा चुडिवाल सहित समाज के अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धमतरी में चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ से जनहानि या मकानों को नुकसान की सूचना नहीं, फसल क्षति का सर्वे जारी

धमतरी। चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के प्रभाव को देखते हुए धमतरी जिला प्रशासन सतर्क है। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने बताया कि जिले में अब तक जनहानि, पशुहानि या मकानों को नुकसान पहुंचने की कोई सूचना नहीं मिली है। वहीं, किसानों की फसलों को संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व एवं कृषि विभाग की टीमों द्वारा सर्वे किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि मौसम की स्थिति को देखते हुए नागरिकों को आगामी दो से तीन दिनों तक विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बारिश की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि धान, दलहन और तिलहन की खड़ी फसल पकने की अवस्था में है तो मौसम साफ होने तक दो से चार दिन कटाई टाल दें। इससे फसलों को संभावित नुकसान से बचाने में मदद मिल सकती है। कलेक्टर ने बताया कि फसल क्षति का आकलन करने के लिए संबंधित विभागों को सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व एवं कृषि विभाग का अमला प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति का जायजा ले रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और फसल को नुकसान होने की स्थिति में संबंधित विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दें। प्रशासन के अनुसार, पात्र किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के तहत दावा प्रक्रिया और नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों और किसानों से मौसम संबंधी आधिकारिक सूचनाओं पर ध्यान देने तथा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। जिला प्रशासन द्वारा साझा की गई मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार, 29 अक्टूबर को सुबह 5:30 बजे तक चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ कमजोर होकर अबदाब में परिवर्तित हो गया था। हालांकि, मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

सावन भादो जैसी बारिश से पक व कट चुके धान की फसलों को पहुंच रहा नुकसान, किसानों की टूटी कमर किसानों की दीपावली होगी फीकी

गरियाबंद (मैनपुर)। अर्नब चक्रवात आने के कारण बारिश और तेज हवाओं ने धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है दो दिनों से जारी इस खराब मौसम के कारण खेतों में खड़ी धान की फसलें गिर गई हैं साथ ही पक कर तैयार हो चुके फसलों की बीज खराब होने की संभावना से किसान डरे हुए हैं। इन दिनों मैनपुर, हरदीभाटा, भाठीगढ़, गोपालपुर, कोदोभाट, सालहेभाट, गौरघाट, देहागुड़ा, दबनई, गिरहोला, गोबरा, मैनपुरकला, जाड़ापदर, जिडार, कुल्हाड़ीघाट, शोभा, गोना, गौरगांव, कोकड़ी, गरहाडीह, इंदागांव, कोयबा, बरगांव, कुरूभाटा, साहबिनकछार, करलाझार, बरदूला, बोईरगांव, झरियाबाहरा, तौरैंग, कोदोमाली, भूतबेडा, अड़गडी, शुक्लाभाटा, धुरवागुड़ी, खोखमा, सिहारलटी, अमलीपदर, गोहरापदर, चलनापदर आदि ग्रामों में कटाई अभी शुरू हुआ है दीपावली का मुख्य त्यौहार सिर पर है इस बार देश के अन्नदाताओं के लिए खुशियों की जगह गहरी चिंता लेकर आया है। त्योहार से ठीक पहले अचानक शुरू हुई बेमौसम मुसलाधार बारिश, तेज आंधी और तूफान ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण खेतों में पककर तैयार खड़ी धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे किसानों का बुरा हाल है। खेतों में पानी भर जाने से कटे हुए धान के सड़ने और काले पड़ने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे किसानों की सालभर की मेहनत बर्बाद हो गई है मैनपुर सहित दर्जनों अंचलो मे पककर तैयार हो चुकी धान की फसलें बारिश और तूफान से खेतों में ही गिर गई हैं, जिससे किसानों को भारी क्षति हुई है यह बेमौसम बारिश और तेज हवाएं किसानों के लिए चिंता का विषय बन गई हैं। किसान नेता टीकम कपिल, जमेजय नेताम, धानुराम पटेल, भागीरथी पटेल, नरेन्द्र साहू, राजेन्द्र साहू, रामजी साहू ने बताया कि यह अर्नब चक्रवात और बारिश न केवल तैयार फसलों को बल्कि कुछ दिनों बाद पकने वाली धान की फसलों को भी नुकसान पहुंचा रही है इस बेमौसम बारिश और तूफान से क्षेत्र के किसानों की कड़ी मेहनत और पूंजी बर्बाद होने के कगार पर है। जमीन पर गिरे धान फसल, करपा, बीड़ा व खलिहानों में खड़े धान भीग गए हैं इससे किसानों को भारी नुकसान होने की पूरी संभावना बनी हुई है। किसान सुधीर ठाकुर, गुंजेश कपिल, गीतेश कुमार, किशोर साहू, मुरारी पटेल ने बताया कि इस बारिश ने किसानों की कमर तोड़कर रख दिया खेतों में तैयार धान फसल पानी में भीग गए जमीन पर गिरे धान, करपा, बीड़ा व खलिहानों पर खड़े धान भीगने से अंकुरित होने लगे हैं इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है खेतो मे पानी होने से कटाई-मिंजाई बंद है कई किसान फसल बचाने खेतों में भरे पानी से फसल को निकाल रहे हैं इस साल बेमौसम बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

गरियाबंद में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन!

‘लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ’ के नारे के साथ हजारों कार्यकर्ताओं ने निकाली विशाल पदयात्रा

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने एसआईआर को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना, वोले लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा विपक्ष; गांधी मैदान से सिविल लाइन तक गुंजे नारे

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ‘लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ’ के संकल्प के साथ शुक्रवार को गरियाबंद में भारतीय जनता पार्टी ने विशाल जनसभा और भव्य पदयात्रा का आयोजन कर अपनी संगठनात्मक सक्रियता का प्रदर्शन किया। गांधी मैदान में आयोजित जनसभा में हजारों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा के बाद निकली विशाल पदयात्रा ने पूरे नगर में राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया। हाथों में भाजपा के झंडे और लोकतंत्र की रक्षा के नारों के साथ कार्यकर्ता गांधी मैदान से सिविल लाइन तक पहुंचे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब एवं राज्य विधायक रोहित साहू सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

जैसी संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर विपक्ष जनता के बीच भ्रम और आशंकाएं फैलाने का प्रयास कर रहा है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदाता सूची आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर एसआईआर की सही जानकारी देने तथा भ्रामक प्रचार के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना प्रत्येक राजनीतिक दल का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता, भ्रम और अव्यवस्था फैलाना उचित नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है।

रोहित साहू ने जागरूक मतदाता को बताया लोकतंत्र की ताकत- राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक मतदाता और जिम्मेदार नागरिक होते हैं। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता का विश्वास और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही संगठन की मजबूती का आधार है।

भारत के आईटीईसी कार्यक्रम के तहत ईडीआईआई ने 17 देशों के 68 प्रतिभागियों को उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया

अहमदाबाद : मंगलवार को 17 देशों के 68 प्रतिभागियों ने एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद में उद्यमिता से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम सप्तातापूर्वक पूरे किए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की पहल, भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत किया गया था।

आईटीईसी के तहत आयोजित ये दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुए। इनका मुख्य उद्देश्य उद्यमिता से जुड़े कौशल को मजबूत बनाना, असंगठित क्षेत्र के उद्यमों को बढ़ावा देना, व्यावहारिक और सप्त्तल व्यावसायिक योजनाएं तैयार करना तथा आजीविका के टिकाऊ साधनों को प्रोत्साहित करना था। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को उद्यम विकास के ऐसे व्यावहारिक तरीके सिखाए गए, जिन्हें वे अपने-अपने देशों की आर्थिक परिस्थितियों और संस्थागत व्यवस्थाओं के अनुसार अपना सकते हैं। असंगठित क्षेत्र के उद्यम, उद्यमिता और स्थानीय आर्थिक विकास पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांग्लादेश, इथियोपिया, घाना, इराक, माली, नामीबिया, नाइजीरिया, श्रीलंका, तंजानिया, युगांडा, वेनेजुएला और जिम्बाब्वे से कुल 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 19

पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं। इस कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने, उपलब्ध संसाधनों और मूल्य श्रृंखलाओं का आकलन करने तथा उत्पादों का मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता में सुधार, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के जरिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने पर ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों ने समुदाय आधारित उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों और क्लस्टर आधारित व्यावसायिक मॉडलों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। भारत के स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया, ताकि प्रतिभागी समझ सकें कि उद्यमिता प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तक पहुंच और समुदाय आधारित सहयोग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यमों को किस तरह बढ़ावा दिया जा सकता है। दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्यमिता विकास और कौशल उन्नयन में बांग्लादेश, इथियोपिया, इराक, लाइबेरिया, माली, मॉरीशस, मोजाम्बिक, नाइजीरिया, सेसेल्स, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया, युगांडा और जिम्बाब्वे से कुल 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 15 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल थीं। दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यावसायिक अवसरों की पहचान, बाजार अनुसंधान, व्यवसाय की व्यावहारिकता को आकलन, व्यावसायिक योजना तैयार करना, परियोजना की लागत का आकलन और वित्तीय योजना बनाने जैसे विषय शामिल थे।

महंगाई राहत स्वीकृत करने की मांग उठाई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने सवाल किया है कि क्या महंगाई का प्रभाव केवल केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों पर पड़ता है? क्या छत्तीसगढ़ के शासकीय सेवक और पेंशनर महंगाई से अछूते हैं? उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के कर्मचारियों के बीच DA/DR का अंतर लगातार बढ़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार चुनाव के समय कर्मचारियों से किए गए वादों और मोदी की गारंटी को लागू करने में विफल नजर आ रही है।

केंद्र में 63 प्रतिशत, राज्य में अब भी 58 प्रतिशत- फेडरेशन के अनुसार, केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2026 से महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है। इसके साथ ही केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों का DA/DR 60

टायगर रिजर्व मे नाईट कर्फ्यू लगते ही हिसंक प्राणी अब गांवो तक पहुंच रहे तेन्दुआ घर मे घुसा तो वही भालू गलियो मे कर रहा धमा कचौरी

गरियाबंद (मैनपुर)। उदंती सीता नदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के मैनपुर धमतरी जिला सीमावर्ती क्षेत्र के गांव में वन्यप्राणियों की चहलकदमी से ग्रामीणों की चिंता लगातार बढ़ रही है। कही तेंदुआ गांव मे घुस कर ग्रामीणों पर हमला कर रहा तो वही भालू गांव की गलियो मे विचरण करते घरो मे घुस रहा ग्रामीणो मे अब हिसंक वन्य प्राणीयो की मौजूदगी व हमले के बाद भय है तो वही वन विभाग के कार्यशैली को भी लेकर प्रश्नचिन्ह लग गया है इसी बीच ताजा मामला सामने आया जहा मंगलवार देर शाम बिरगुड़ी में एक बड़ा सा भालू पानी की टंकी के ऊपर चढ़ गया तो वही दूसरी ओर धमतरी जिला के बिरगुडी परिक्षेत्र के बासपानी ठेमली मे शाम को घर के बाहर बैठी बुजुर्ग महिला शांति मरकाड को तेन्दुआ अपने जबड़े मे पकड कर घसीटते जंगल की ओर ले जा रहा था जिसे पडोसी महिला व ग्रामीणो ने बचाया और इलाज के लिये सिविल हास्पिटल नगरी मे भर्ती कराया बता दे बिरगुडी मे भालू को टंकी पर चढ़ा देख मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई,जिससे क्षेत्र में अफ्फा-तफ्फरी का माहौल बन गया अब भालू का वीडियो

सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है उधर बिरगुडी वन परिक्षेत्र के ठेमली पारा गांव में तेंदुए द्वारा महिला पर हमला करने की भी जानकारी लगते ही से क्षेत्र मे हडकंप मच गया वनांचल के विभिन्न गांवों में लगातार भातुओं की मौजूदगी सामने आने के बीच वन विभाग भी सतर्कता बरत रहा है। विभाग की टीम लोगों से अपील कर रही है कि भालू दिखाई देने पर उसके करीब न जाएं, भीड़ न लगाएं और उसे छेड़ने या भगाने की कोशिश ना करें। फ्लिहाल वन विभाग की टीम भालू की गतिविधियों पर नजर बनाएं हुए है वही आम लोगो मे चर्चाएं हैं की पहले नगरी क्षेत्र मे हाथियो की मौजूदगी नही थी मगर जैसे ही कोरोना का लाकडाउन हुआ और सडके विरान हुई तब हाथियो के लिये रास्ता खुल गया और वे इस क्षेत्र मे पहुंच गये ठीक ऐसा ही टायगर रिजर्व क्षेत्र मे वन विभाग द्वारा जब से नाईट कर्फ्यू लगाया गया है तब से हिसक वन्य तेन्दुआ और भालू के लिये लिये अन्य पदाधिकारियों ने भी राज्य सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

केंद्र में 63त, छत्तीसगढ़ में 58% DA/DR! आखिर राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों से भेदभाव क्यों?

महंगाई केंद्र के कर्मचारियों को सताती है, तो छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को क्यों नहीं? मोदी की गारंटी लागू करने में राज्य सरकार विफल : राजेश चटर्जी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। महंगाई की मार सब पर एक समान पड़ती है, लेकिन महंगाई भत्ते के मामले में छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों और पेंशनरों के साथ अलग व्यवहार क्यों? केंद्र सरकार द्वारा महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत (DA/DR) बढ़ाकर 63 प्रतिशत किए जाने के बाद छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों और पेंशनरों को अब भी 58 प्रतिशत पर रखने का मुद्दा गरमा गया है। राज्य सरकार की इस देरी पर छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन ने कड़ा ऐतराज जताते हुए देय तिथि से महंगाई भत्ता एवं

प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। यह वृद्धि सातवें वेतन आयोग के तहत निर्धारित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (AICPI-IW) के आधार पर की गई है। वहीं छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को जनवरी 2026 से केवल 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत मिल रहा है। फेडरेशन का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा जुलाई 2025 से स्वीकृत 58 प्रतिशत DA/DR को राज्य सरकार ने जनवरी 2026 से लागू किया। इस प्रकार कर्मचारियों को छह माह के अंतराल से लाभ मिला। इसके बाद जनवरी 2026 से केंद्र में 60 प्रतिशत और जुलाई 2026 से 63 प्रतिशत DA/DR स्वीकृत हो चुका है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। महंगाई के आंकड़े दे रहे वृद्धि की गवाही- फेडरेशन ने जुलाई 2025 से जून 2026 तक के AICPI-IW आंकड़ों का

हवाला देते हुए बताया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। जुलाई 202+5 में यह 146.5 था, जो अगस्त में 147.1, सितंबर में 147.3, अक्टूबर में 147.7, नवंबर और दिसंबर में 148.2, जनवरी 2026 में 148.6, फरवरी में 148.5, मार्च में 149.1, अप्रैल में 149.9, मई में 150.8 तथा जून 2026 में बढ़कर 151.9 हो गया। इन आंकड़ों के आधार पर महंगाई भत्ते में वृद्धि की आवश्यकता स्पष्ट होती है। DA/DR का मूल उद्देश्य बढ़ती महंगाई के प्रभाव को कम करना और कर्मचारियों एवं पेंशनरों की क्रय शक्ति बनाए रखना है। मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री से सीधी मांग- राजेश चटर्जी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मांग की है कि केंद्रीय कर्मचारियों के समान राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को भी महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का लाभ

देय तिथि से प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि महंगाई भत्ता कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है, न कि सरकार की कृपा या अनुकंपा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि विधानसभा चुनाव 2023 के पूर्व वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने वीडियो संदेश में महंगाई भत्ते को कर्मचारियों का मौलिक अधिकार बताया था। ऐसे में अब सरकार को अपने कथन और वादे के अनुरूप निर्णय लेना चाहिए। फेडरेशन के विकासखंड अध्यक्ष यशवंत कुमार साहू, सचिव शोभाराम साहू, सुनीता यादव एवं अंजनी यादव सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी राज्य सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। बसंत त्रिवेदी महासचिव कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, गरियाबंद

